चिमनी के अंदर

एक समय की बात है कि कहीं किसी जगह दो बहनें अपने माता-पिता के साथ रहती थीं. परिवार ने अपने सारे पैसे एक लंबी-पूँछ वाले थैले में संभाल कर रखे हुए थे लेकिन उनका थैला चोरी हो गया था. उनके पिता के पास कोई रोज़गार न था. इसलिए दोनों लड़कियाँ घर से बाहर जाकर धन अर्जित करना चाहती थीं.

एक लड़की नगर में जाकर काम करना चाहती थी. उसकी माँ ने कहा कि अगर वह कोई काम ढूँढ सकती थी तो वह वहाँ रह सकती थी.

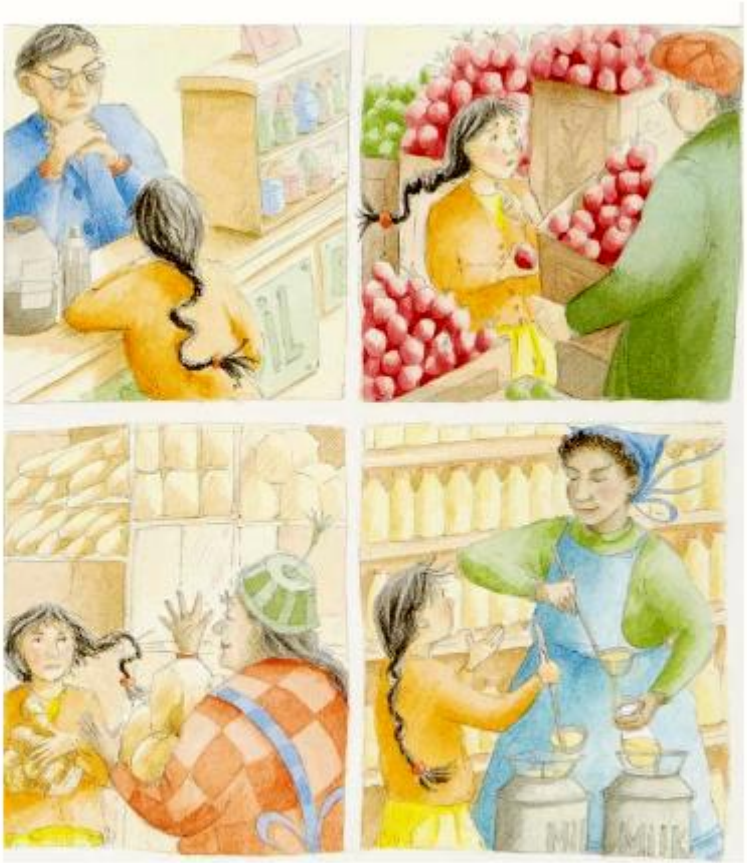

वह लड़की नगर की ओर चल पड़ी. नगर में वह हर जगह गई लेकिन कोई भी उसे काम पर रखने को तैयार न था.

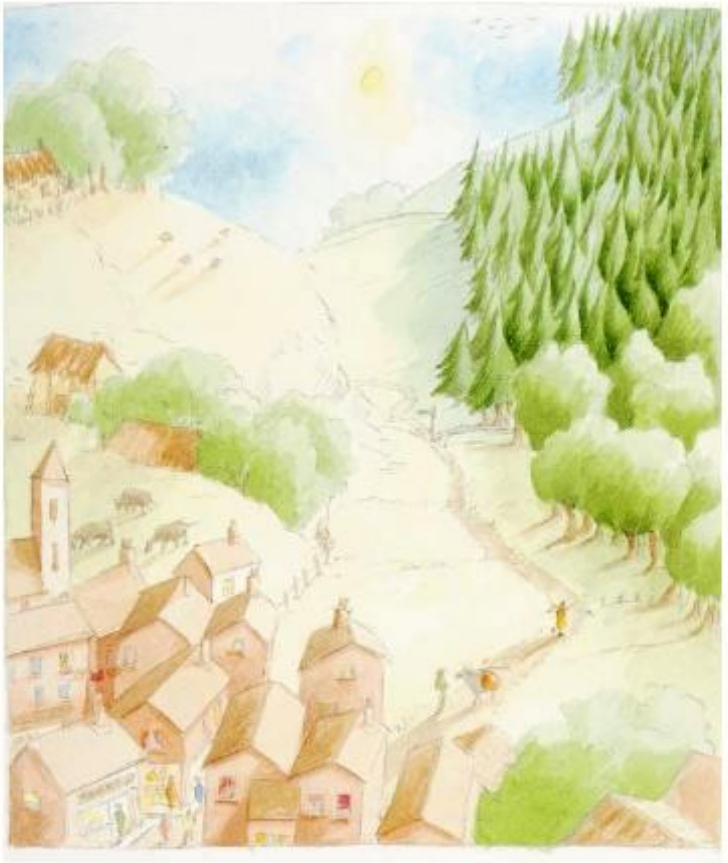

काम की तलाश में वह आगे चलती गई.

ओर वह एक ऐसी जगह पहुँच गई जहाँ एक तंदूर में ब्रेड पकाई जा रही थी. ब्रेड ने कहा, “नन्हीं लड़की, नन्हीं लड़की, हमें तंदूर से बाहर निकालो. हमें सात वर्षों से पकाया जा रहा है और हमें बाहर निकालने कोई नहीं आया.”

तो लड़की ने ब्रेड को तंदूर से निकाल कर ज़मीन पर रख दिया और अपने रास्ते पर आगे चली गई.

फिर उसे एक गाय मिली और गाय ने कहा, “नन्हीं लड़की, नन्हीं लड़की, मेरा दूध निकालो, मेरा दूध निकालो! मैं सात वर्षों से प्रतीक्षा कर रही हूँ और कोई मेरा दूध निकालने नहीं आया.”

तो लड़की ने वहाँ रखी बाल्टियों में गाय का दूध निकाला.

चूँकि उसे भूख लगी थी उसने थोड़ा सा दूध पी लिया और बाकी दूध वहीं बाल्टियों में छोड़ दिया.

फिर वह थोड़ा और आगे गई और सेब के पेड़ के निकट पहुँची जिस पर इतने सेब लगे थे कि उसकी डालें ही टूट रही थीं. पेड़ ने उससे कहा, “नन्हीं लड़की, नन्हीं लड़की, मुझे हिला कर सारे फल गिरा दो. मेरी डालें टूट रही हैं, वह इतनी भारी हो गई हैं.”

और लड़की ने कहा, “अवश्य, मैं ऐसा ही करूँगी.”

तो उसने पेड़ को ज़ोर से हिलाया और सारे फल गिर गए,

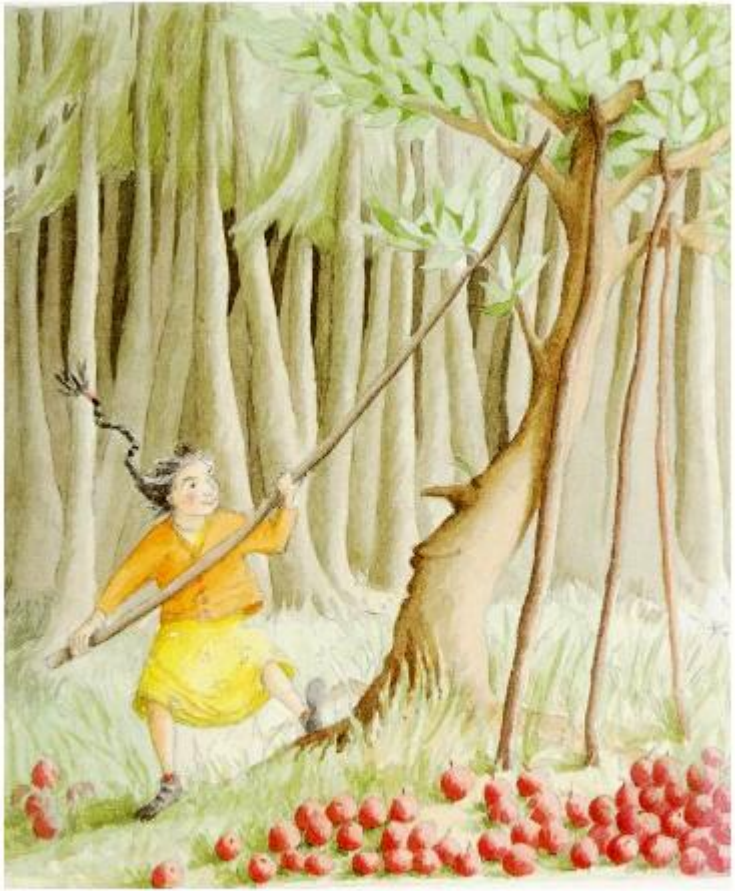

और पेड़ की डालों के नीचे लड़की ने टेक लगा दी और सारे सेब नीचे ज़मीन पर छोड़ दिये.

फिर वह आगे चलती गई और एक घर के पास पहुँची.

उस घर में एक जादूगरनी रहती थी और वह छोटी लड़कियों को अपने घर में नौकर बना कर रखती थी. जब उसे पता लगा कि लड़की काम की तलाश में अपना घर छोड़ कर आई थी तो उसने कहा कि वह लड़की को काम करने का अवसर देगी और अच्छा वेतन भी देगी.

जादूगरनी ने लड़की को समझाया कि उसे क्या-क्या काम करने होंगे, “तुम्हें घर साफ-सुथरा रखना होगा, फर्श पर झाड़ू लगाना होगा. लेकिन एक बात का पूरा ध्यान रखना. चिमनी के अंदर कभी नहीं देखना, अन्यथा तुम्हारे साथ कुछ बुरा घट सकता है.”

लड़की ने वचन दिया कि जैसा उसे समझाया गया था वह वैसा ही करेगी. लेकिन एक दिन जब जादूगरनी घर से बाहर गई थी और वह सफाई कर रही थी, वह भूल गई कि जादूगरनी ने क्या चेतावनी दी थी. उसने चिमनी के अंदर देखा. जैसी ही उसने चिमनी के अंदर देखा पैसों से भरा एक बड़ा थैला उसकी गोद में आ गिरा. उसे अपनी आँखों पर विश्वास न हुआ. उसने थैले को ध्यान से देखा.

“मैं इस थैले को पहचानती हूँ,” उसने कहा, “यह मेरे माता-पिता का है.”

थैला लेकर वह अपने घर की ओर चल दी.

लेकिन जब वह कुछ दूर जा चुकी थी तो उसने जादूगरनी को अपने पीछे आते सुना.

वह दौड़ सेब के पेड़ के पास आई और चिल्लाई:
सेब के पेड़, सेब के पेड़ झटपट मुझे कहीं छिपा लो,
ढूँढ न पाये मुझे बूढ़ी जादूगरनी, क्योंकि
अगर ढूँढ लिया उसने तो नोच लेगी हड्डियाँ मेरी,
और पत्थरों के नीचे गाड़ देगी वो दुष्ट मुझे.
तो सेब के पेड़ ने उसे छिपा दिया.

जादूगरनी पेड़ के पास आई और उसने कहा:
ओ मेरे पेड़, ओ मेरे पेड़,
क्या छोटी लड़की को देखा तुम ने?
लंबी-पूँछ वाला थैला वो लिए है हाथ में अपने
मेरे पैसे सब चुरा लिए हैं उसने.
और सेब के पेड़ ने कहा, “नहीं, माँ, सात वर्षों से नहीं देखा.”
जब जादूगरनी दूसरे रास्ते चली गई तो लड़की वहाँ से भाग गई.

जैसे ही वह गाय के पास पहुँची उसने फिर से जादूगरनी को निकट आते सुना. वह गाय के पास भाग कर आई और बोली:

गाय, गाय जल्दी कहीं मुझे छिपा लो,
ढूँढ न पाये मुझे बूढ़ी जादूगरनी, क्योंकि
अगर ढूँढ लिया उसने तो नोच लेगी हड्डियाँ मेरी,
और पत्थरों के नीचे गाड़ देगी वो दुष्ट मुझे.

तो गाय ने उसे छिपा लिया.

जब जादूगरनी वहाँ पहुँची तो इधर-उधर ढूँढा और गाय से कहा:

गाय मेरी, गाय मेरी
क्या छोटी लड़की को देखा तुम ने?
लंबी-पूँछ वाला थैला वो लिए है हाथ में अपने
मेरे पैसे सब चुरा लिए हैं उसने.

तो गाय ने कहा, “नहीं, माँ, सात वर्षों से नहीं देखा.”

जब जादूगरनी दूसरे रास्ते चली गई तो लड़की फिर वहाँ से भाग गई. जब वह तंदूर के निकट पहुँची तो उसे जादूगरनी फिर से अपने पीछे आती सुनाई दी. वह भाग कर तंदूर के पास आई और बोली:

तंदूर, तंदूर जल्दी कहीं मुझे छिपा लो,
ढूँढ न पाये मुझे बूढ़ी जादूगरनी, क्योंकि
अगर ढूँढ लिया उसने तो नोच लेगी हड्डियाँ मेरी,
और पत्थरों के नीचे गाड़ देगी वो दुष्ट मुझे.

और तंदूर ने कहा, "मेरे पास कोई जगह नहीं है, नानबाई से पूछो." नानबाई ने उसे तंदूर के पीछे छिपा लिया.

जब जादूगरनी वहाँ पहुँची तो इधर-उधर और सब जगह ढूँढा और फिर नानबाई से कहा:

नानबाई मेरे, नानबाई मेरे,
क्या छोटी लड़की को देखा तुम ने?
लंबी-पूँछ वाला थैला वो लिए है हाथ में अपने
मेरे पैसे सब चुरा लिए हैं उसने.

तो नानबाई ने कहा, "तंदूर में देखो." तो बूढ़ी जादूगरनी तंदूर के पास आई और तंदूर ने कहा, "भीतर आ जाओ और सबसे दूर वाले कोने में ढूँढो."

जादूगरनी तंदूर के अंदर चली गई और जब वह बहुत भीतर पहुँच गई तो नानबाई ने तंदूर का दरवाज़ा बंद कर दिया और लंबे समय तक वह वहीं बंद रही.

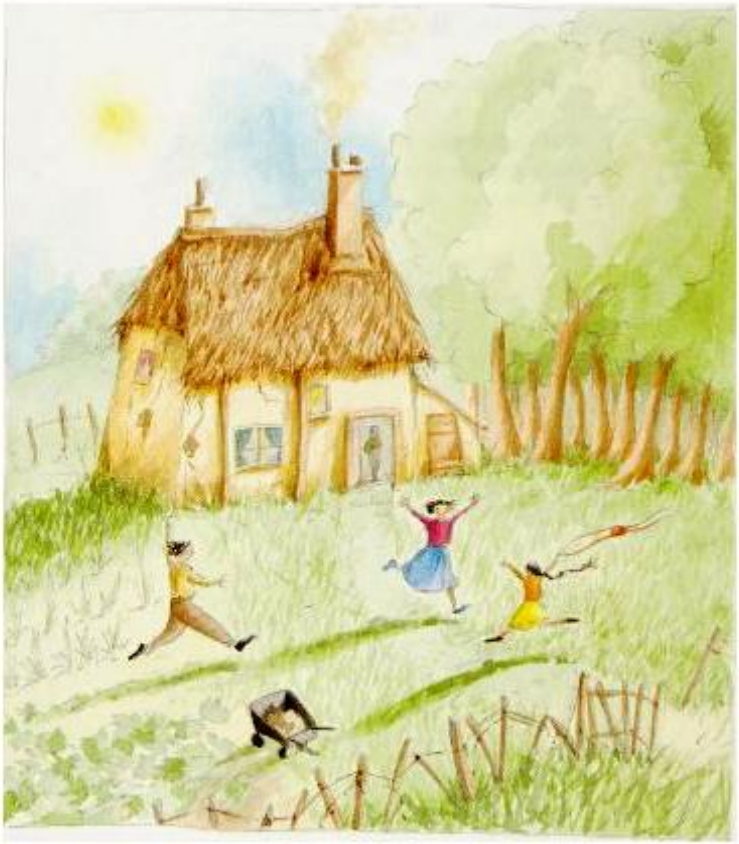

लड़की फिर से चल दी और आखिरकार पैसों से भरा थैला, जो जादूगरनी ने चुराया था, लेकर घर पहुँच गई.

उसने लंबी-पूँछ वाला थैला अपने माता-पिता को दिया और एक भले युवक से विवाह कर लिया और सदा प्रसन्नता से रही.

अब दूसरी लड़की ने सोचा कि वह भी घर से जाकर वैसा ही करेगी.

वह उसी रास्ते से गई. लेकिन जब वह तंदूर के निकट पहुँची तो ब्रेड ने कहा, “नन्हीं लड़की, नन्हीं लड़की, हमें तंदूर से बाहर निकालो. हमें सात वर्षों से पकाया जा रहा है और हमें तंदूर से बाहर निकालने कोई नहीं आया.”

लेकिन लड़की ने कहा, “नहीं, मैं अपनी अंगुलियाँ जलाना नहीं चाहती.”

तो वह आगे चलती गई जब तक कि वह गाय से न मिली. गाय ने कहा, “नन्हीं लड़की, नन्हीं लड़की, मेरा दूध निकालो, मेरा दूध निकालो! मैं सात वर्षों से प्रतीक्षा कर रही हूँ और कोई मेरा दूध निकालने नहीं आया.”

लेकिन लड़की ने कहा, “नहीं, मैं तुम्हारा दूध नहीं निकाल सकती, मैं जल्दी में हूँ,” और झटपट वहाँ से चली गई.

फिर वह सेब के पेड़ के निकट पहुँची और पेड़ ने कहा कि उसे हिला कर सारे फल गिरा दे.

“नहीं, मैं नहीं कर सकती,” उसने कहा. “किसी और दिन शायद मैं करूँ.”

और वह चलती रही जब तक कि वह जादूगरनी के घर नहीं पहुँच गई.

उसे भी जादूगरनी ने वैसे ही काम पर रख लिया जैसे पहली लड़की को रखा था. एक दिन जब जादूगरनी कहीं बाहर गई हुई थी, वह भूल गई कि जादूगरनी ने उसे क्या कहा था. उसने चिमनी के अंदर देखा और पैसों से भरा एक थैला नीचे आ गिरा. उसने सोचा कि थैला लेकर वह तुरंत वहाँ से चली जायेगी.

जब वह सेब के पेड़ के पास पहुँची तो जादूगरनी को पीछे आते उसने सुना. वह चिल्ला कर बोली:

सेब के पेड़, सेब के पेड़ झटपट कहीं मुझे छिपा लो,
ढूँढ न पाये मुझे बूढ़ी जादूगरनी, क्योंकि
अगर ढूँढ लिया उसने तो नोच लेगी हड्डियाँ मेरी,
और पत्थरों के नीचे गाड़ देगी वो दुष्ट मुझे.

लेकिन पेड़ ने कोई उत्तर न दिया. जल्दी ही जादूगरनी वहाँ पहुँच गई और उसने पेड़ से कहा:

ओ मेरे पेड़, ओ मेरे पेड़,
क्या छोटी लड़की को देखा तुम ने?
लंबी-पूँछ वाला थैला वो लिए है हाथ में अपने
मेरे पैसे सब चुरा लिए हैं उसने.

पेड़ ने कहा, "हाँ, माँ, वह उस रास्ते से गई है."

तो बूढ़ी जादूगरनी लड़की के पीछे भागी और उसे पकड़ लिया. उसने सारे पैसे उससे छीन लिए और झाड़ू से उसकी खूब पिटाई की और उसे वैसे ही घर भेज दिया.

समाप्त